इकाई - 2

इस इकाई में 'अनमोल खज़ाना' नामक एक कहानी और 'कोशिश करने वालों की' नामक एक कविता हैं।

अनमोल खज़ाना नामक कहानी मेहनत के महत्व पर प्रकाश डालती है। निरंतर मेहनत करने से ही हम जीवन लक्ष्य पर पहूँच सकते हैं। आलस्य छोड़कर मेहनत करने की प्रेरणा देती है 'अनमोल खज़ाना।'

'कोशिश करने वालों की' कविता कोशिश के महत्व को बताती है। लक्ष्य तक पहुँचने के लिए हमें बार-बार कोशिश करनी पड़ेगी। कोशिश करने के बावजूद हार होती, तो वह हार भी एक जीत है।

इकाई रूपरेखा

समय : 21 कालांश

आशय / धारणा / प्रोक्ति भाषा तत्व	शिक्षण-अधिगम गतिविधियाँ	अधिगम उपलब्धियाँ
कहानी कहानी की अपनी शैली है। जीवन में मेहनत का बड़ा महत्व है।	चित्रवाचन कहानी वाचन कहानी को आगे बढ़ाना डायरी लेखन	हास्य व्यंग्य कहानी पढ़कर आशय ग्रहण करने की क्षमता प्राप्त करता है। कहानी सृजन करने की क्षमता प्राप्त करता है। डायरी लिखने की अवधारणा प्राप्त करता है।
कविता कविता मन की भावनाओं का काव्यात्मक एवं स्वाभाविक अभिव्यक्ति है कोशिश करने से ही सफलता प्राप्त होती है।	चित्रवाचन कविता वाचन आस्वादन आलाप लेख लिखना	कविता वाचन करके आस्वादन करने की क्षमता प्राप्त करता है। कविता ताल-लय के साथ आलाप करने की क्षमता प्राप्त करता है। लेख लिखने की अवधारणा प्राप्त करता है।

मोड्यूल - 1

आशय / धारणा

- कहानी की अपनी शैली है।
- जीवन में मेहनत का बड़ा महत्व है।

समय : 9 कालांश

प्रक्रिया

छात्रों को चित्रवाचन करने का अवसर दें। (पन्ना 24)

आप पूछें,

- चित्र में क्या-क्या हैं?

- पेड़ के नीचे जो खड़े हैं, वे क्या कर रहे हैं?
- यह चित्र हमें कौन-सा आशय देता है?

हम कहानी पढ़ें।

छात्र पढ़ें। (वैयक्तिक वाचन)- पन्ना 25

(किसी गाँव में..... सामने बैठ गया।)

छात्र अपरिचित शब्दों का परिचय पाएँ। (शब्दकोश की सहायता से)

आप पूछें,

- विक्रम का सोच क्या था?
- रास्ते में वह किससे मिला?
- विक्रम ने किसान से क्या उपाय पूछा?
- विक्रम के बारे में किसान ने क्या सोचा होगा?

चर्चा चलाएँ।

आप पूछें,

- विक्रम विश्वनाथ के पास क्यों गया?

चुनिंदे छात्र कहानी का सस्वर वाचन करें।

आप कहानी का वाचन करें।

छात्र पढ़ें (वैयक्तिक वाचन)- पन्ना 26

(जैसे ही विश्वनाथ ..... आँखें खुल गईं।)

आप पूछें,

- विश्वनाथ ने विक्रम से कहाँ जाने को कहा?
- 'मैं देखूँगा कैसे?' विक्रम ने ऐसा क्यों कहा?

आप निर्देश दें।

विश्वनाथ ने विक्रम से धन कमाने के कई उपाय बताए।

उन उपायों के नीचे रेखा खींचें।

चुनिंदे छात्र प्रस्तुत करें।

चर्चा चलाएँ।

आप आवश्यक मदद दें।

आप पूछें,

- विश्वनाथ ने कई उपाय बताए, लेकिन विक्रम ने नहीं माना। क्यों?

चर्चा चलाएँ। सूचीबद्ध करें।

आप पूछें,

- 'खज़ाना' का अर्थ क्या है?
- इस कहानी में खज़ाने का क्या तात्पर्य है?
- विक्रम की आँखें खुल गईं। इसका मतलब क्या है?

छात्र बताएँ, आप अवश्यक मदद दें।

छात्रों का सस्वर वाचन।

आप वाचन करें।

आप पूछें,

- विश्वनाथ के घर से निकलते वक्त विक्रम ने क्या सोचा होगा?

छात्र प्रतिक्रिया करें।

आप सूचीबद्ध करें।

आप पूछें,

- विश्वनाथ का उपदेश सुनकर विक्रम ने आगे क्या किया होगा?

आप सहायक प्रश्न पूछें,

- विक्रम कहाँ गया होगा?
- क्या वह और किसी से मिला होगा?
- उसने क्या-क्या बातें की होंगी?
- धन कमाने के लिए वह क्या करता होगा?

छात्र कहानी को आगे बढ़ाएँ।(वैयक्तिक रूप से लिखें)

चुनिंदे छात्रों की प्रस्तुति।

दलों में परिमार्जन।

दलों द्वारा प्रस्तुति।

छात्र कहानी से घटनाएँ खोजकर क्रम से लिखें।-(पन्ना 27)

- ❒ मित्रों से जल्दी धन कमाने का उपाय पूछा।
- ❒ रास्ते में एक किसान से यही प्रश्न पूछा।
- ❒ किसान ने विश्वनाथ से मिलने को कहा।
- ❒ विश्वनाथ ने शरीर के अंग बेचने को कहा।

छात्र लिखें : किसने कहा?-पन्ना 27

विक्रम ने कहा किसान ने कहा विश्वनाथ ने कहा	कि	मैं बहुत गरीब हुँ। गाँव के उस पार एक सज्जन रहते हैं। तुम वसंत नगर जाओ। ....

- ❒ विक्रम ने कहा कि मैं बहुत गरीब हूँ।
- ❒ किसान ने कहा कि गाँव के उस पार एक सज्जन रहते हैं।
- ❒ विश्वानाथ ने कहा कि तुम वसंत नगर जाओ।
- ❒ .....
- ❒ .....

आप 'कि' का प्रयोग समझाने के लिए अधिकाधिक उदाहरण प्रस्तुत करें; जैसे

- ❒ अध्यापक ने कहा कि कल छुट्टी है।
- ❒ .....
- ❒ .....

विश्वनाथ का उपदेश सुनकर विक्रम की आँखें खुल गईं। विक्रम के उस दिन की डायरी तैयार करें। (पन्ना 28)

छात्र वैयक्तिक रूप से लिखें।

चुनिंदे छात्रों की प्रस्तुति।

आप पूछें,

- ➧ अपनी डायरी में तारीख है?
- ➧ विश्वनाथ के उपदेश का उल्लेख है?
- ➧ अपने विचार और मनोभाव प्रकट है?

छात्र जो कहें, आप श्यामपट पर सूचक के रूप में लिखें।

इन सूचकों के आधार पर छात्र आपसी आकलन करें।

- तारीख लिखी है।
- उपदेश का असर है।
- विचार और मनोभाव प्रकट है।
- आत्मनिष्ठ भाषा है।

आप पूछें,
सूचकों के आधार पर अपनी डायरी में कुछ जोड़ना चाहते तो जोड़ें।
परिमार्जन का अवसर दें।
अनुबद्ध कार्य– विश्वनाथ के स्वभाव की विशेषताएँ लिखें।

मोड्यूल - 2

आशय / धारणा

- तुकवाले शब्द भी कविता के सौंदर्य को बढ़ाते हैं।
- कोशिश करने से ही सफलता प्राप्त होती है।

समय : 12 कालांश

सामग्री : इला सचानी, स्टीफ़न विल्यम हॉकिंग आदि के चित्र/वीडियो, महान व्यक्तियों के चित्र/वीडियो।

प्रक्रिया

आप कहें,
पन्ना 29 देखें।
उसमें कुछ व्यक्तियों के चित्र हैं।

- महिला का चित्र देखें, वे क्या करती हैं?
- वे कौन हैं?

आप इस तरह की प्रक्रिया अन्य चित्रों को दिखाकर भी चलाएँ और उनका परिचय कराएँ।

इला सचानी

गुजरात के सूरत जिले में रहने वाली इलासचानी बचपन से ही कमज़ोर थीं। वे अपने हाथ उठाकर कुछ भी नहीं कर पाती थीं। इला ने अपने हाथों की इस जिद को एक चुनौती मानी। उसने अपने पैरों से सब काम करना सीखा जो हम हाथों से करते हैं। उनकी माँ और दादी कशीदाकारी करती थीं। इला ने अपने पैरों के अंगूठों का सहारा लेकर कच्चा रेशम पिरोना सीखा। 15-16 साल की उम्र में वह कशीदाकारी में निपुण हो चुकी थीं। इला के पाँव अब रुकते नहीं हैं। होंठों पर मुस्कान और विश्वास लिए नई-नई डिज़ाइनों से कशीदाकारी में अपना नाम जमाया है।

रिचार्ड व्हाइटहेड

वे कृत्रिम पैरों पर दौड़ लगानेवाले ब्रिटीश एथलीट हैं। 2010 के चिकागो मैराथॉन में उन्होंने नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित कर दिया। 2012 के पारालिंपिक्स में उन्होंने स्वर्णपदक जीत लिया। वे तैराकी के प्रशिक्षक भी थे।

स्टीफ़न विलियम हॉकिंग

स्टीफ़न विलियम हॉकिंग का जन्म ब्रिटन में हुआ। वे विश्व प्रसिद्ध अंग्रेज़ी भौतिक एवं ब्रह्मांड विज्ञानी(cosmologist) हैं। वे अपने हाथ-पैरों से कुछ भी नहीं कर सकते हैं।

निकोलास जेम्स निक वुजिसिक

वे आस्ट्रेलियाई हैं। वे अपंग थे और उनके पूरे शरीर पर इसका प्रभाव भी था। लेकिन वे विश्व भर यात्रा करके भाषण देनेवाले प्रेरक वक्ता के रूप में प्रसिद्ध हैं।

आप कहें,

इन शारीरिक कमज़ोरियों के होते हुए भी आत्मविश्वास और लगातार परिश्रम से अपने कार्यक्षेत्र में सफल और मशहूर हुए हैं।

अब हम आस्वादन करें, कविता - 'कोशिश करनेवालों की'

छात्र पढ़ें (वैयक्तिक वाचन) पन्ना 30

छात्र अपरिचित शब्दों के अर्थ समझें। (शब्दकोश की सहायता से)

आप पूछें :

- कभी हार नहीं होती, किसकी?
- रगों में साहस भरता है, क्या?
- असफलता क्या है?
- नींद चैन को त्यागो तुम, कब?
- चींटियों से हमें कौन-सी प्रेरणा मिलती है?

आप वाचन करें।

चुनिंदे छात्रों का सस्वर वाचन।

आप पूछें:

- कविता में 'नौका' शब्द किसके लिए सूचित किया गया है?

छात्रों की प्रतिक्रिया पदसूर्य के रूप में आप श्यामपट पर लिखें।

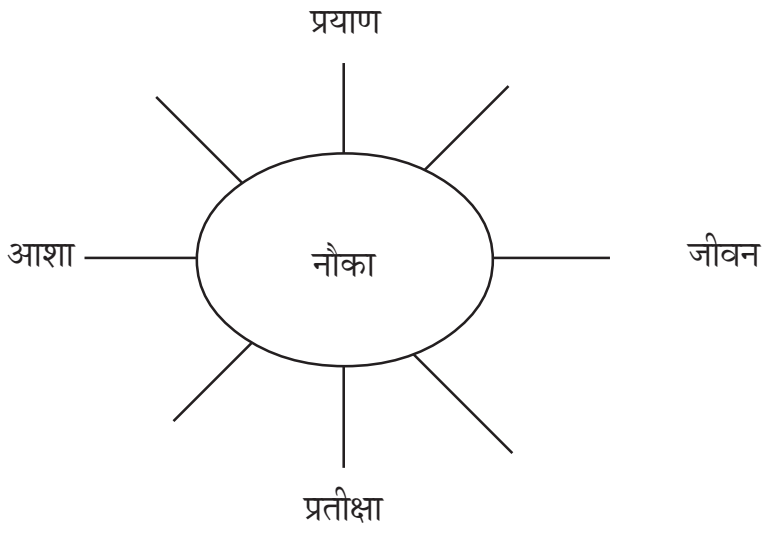

यह प्रक्रिया लहर शब्द के लिए भी करें।

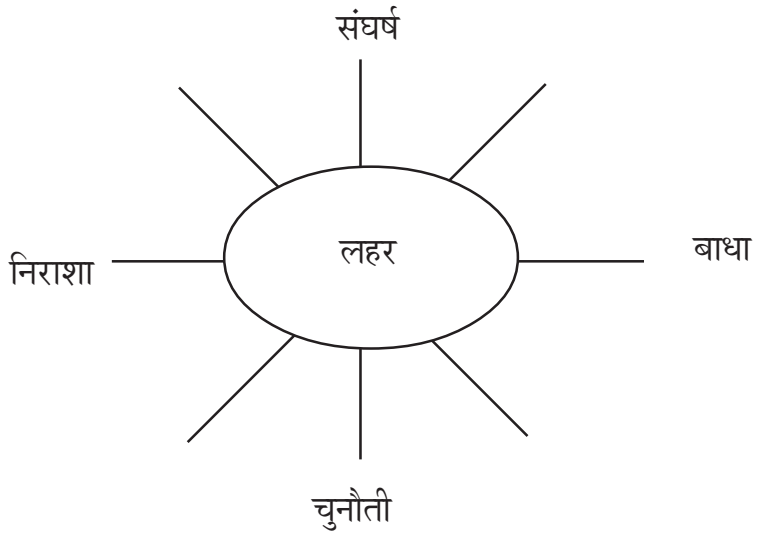

- *चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है*, किसको?
- इसका तात्पर्य क्या है?

चर्चा चलाएँ।

आप पूछें:

- संघर्ष का मैदान छोड़कर मत भागो तुम - *संघर्ष का मैदान* का मतलब क्या है?
- हमने पहले चार व्यक्तियों का परिचय पाया था। क्या वे अपने संघर्ष के मैदान से भाग गए थे?
- यदि वे भाग जाते तो क्या होता?

छात्र प्रतिक्रिया करें।

आप पूछें-

क्या ऐसे कोई अन्य शब्द कविता में है?

छात्र कहें, आप सूचीबद्ध करें।

'सिकंदर (सम्राट अलक्सांडर) और मकड़ी' कहानी उदाहरण के रूप में आप पेश करें।

मधुमक्खी की कोशिश के बारे में भी बताएँ।

आप पूछें,

- कविता पसंद आई क्या?

अब हम इस कविता के लिए एक आस्वादन टिप्पणी लिखें।

छात्र लिखें।(वैयक्तिक रूप से)

चुनिंदे छात्रों की प्रस्तुति।

आप पूछें,

- कवि और कविता के बारे में सूचना है क्या ?
- कोशिश के द्वारा विजय पाने के बारे में सूचना है क्या ?
- कविता की विशेषताएँ लिखी हैं क्या ?
- निष्कर्ष लिखा है क्या ?

आप श्यामपट पर सूचीबद्ध करें

- भूमिका
- कोशिश के द्वारा विजय पाने के बारे में सूचना।
- कविता की विशेषताओं के बारे में चर्चा।
- विशेष पंक्ति/शब्द का उल्लेख।
- अपने दृष्टिकोण के साथ निष्कर्ष।

सूचकों के आधार पर छोटे-छोटे दलों में परिमार्जन करें।

दलों की प्रस्तुति का अवसर।

कोशिश ही ज़िंदगी है आस्वादन टिप्पणी

श्री हरिवंशराय बच्चन की कविता है *कोशिश करने वालों की*। इसमें कवि निरंतर कोशिश करते रहने का आह्वान करते हैं।

कवि के अनुसार कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। ऊपर चढ़ते समय सौ बार फिसलने पर भी चींटी अपनी कोशिशें नहीं छोड़ती। वह चढ़कर गिरती है और गिरकर चढ़ती है। इसी प्रकार ज़िंदगी में पराजय और असफलताओं के होने पर भी पीछे हटना नही चाहिए।

अपनी कमियों को सुधारकर सफलता पाने तक कोशिश बनाए रखनी है। बाधा रूपी लहरों से डरनेवाला व्यक्ति ज़िंदगी रूपी नाव को आगे नहीं ले पाएगा। कोशिश के बिना हम कुछ भी नहीं अपना सकते।

आप कहें:

छात्र दल में कविता का ताल-लय ढूँढें।

दलों द्वारा प्रस्तुतीकरण।

छात्र अनुबद्ध कार्य करें- पन्ना 31

कविता से तुकवाले पद चुनें, जैसे-

चलती है- फिसलती है

भरता है- अखरता है

.....

.....

छात्र खोजें :

सफलता के साधन चुनें,

पाठ्यपुस्तक में दिए गए वाक्यों से जीवन में विजय पाने योग्य कार्य चुन लें।

- ☐ सार्थक परिश्रम करना चाहिए।
- ☐ आत्मविश्वास होना चाहिए।
- ☐ चुनौतियों को स्वीकार करना चाहिए।

छात्र लिखें।

कविता के लिए अलग शीर्षक दें, अपना मत प्रकट करें।

छात्र खोजकर लिखें।

कविता से निम्न लिखित आशयवाली पंक्तियाँ चुनें।

- ☐ डरकर बैठने से काम नहीं चलता।
- ☐ अपनी कमियों को पहचानकर सुधार करें।

छात्र लिखें।

चुनौतियों का सामना करके जीवन में सफलता प्राप्त व्यक्तियों की सूची बनाएँ, उनका कार्यक्षेत्र लिखें।

आई सी टी की मदद लें।

ए.पी.जे.अब्दुल कलाम	विज्ञान
आंबेड़कर	राजनीति
चारली चाप्लिन	सिनेमा
येशुदास	संगीत
सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	हिंदी साहित्य

सुविधा हो, आई.सी.टी की सहायता से इनके चित्र/झलक दिखाएँ।

छात्र लिखें- पन्ना 32

मेहनत के महत्व पर लघु लेख तैयार करें।

आप निर्देश दें,

पाठ्यपुस्तक में दिए गए बिंदुओं की सहायता से लेख लिखें।(वैयक्तिक लेखन)

चुनिंदे छात्रों की प्रस्तुति।

आप छात्रों को दल में बिठाएँ।

दल में सबसे बेहतर लेख को छात्र चुनें।

आप पूछें।

सबसे बेहतर का चयन आप कैसे करेंगे?

- क्या उसमें मेहनत की विशेषताओं का उल्लेख है?
- विशेषता लिखने के पहले भूमिका दी गई है क्या?
- मेहनत पर अपना दृष्टिकोण व्यक्त किया है क्या?
- आशयों की क्रमबद्धता है क्या?

छात्र दल में प्रस्तुतीकरण करें और सूचकों के आधार पर बेहतर रचना को चुनें।

प्रस्तुतीकरण करें।

छात्र परिमार्जन करें।

पोर्टफोलिओ में रखें।

लेख

मेहनत उन्नति का आधार है। इसका मतलब है परिश्रम करना। जो व्यक्ति संसार भर में मशहूर हैं, उनके पीछे निरंतर मेहनत है।

परिश्रम के बिना कोई भी काम सफल नहीं होता। इसलिए हमें निरंतर मेहनत करनी चाहिए। अलसता का शत्रु है मेहनत। मेहनत से जीवन लक्ष्य की प्राप्ति होती है। जब व्यक्ति की उन्नति होती है, तब समाज की भी उन्नति होती है।

परिश्रमी में सदगुणों का भी विकास होता है। मेहनत एक समाज सेवा भी है। यह हमारा कर्तव्य है।

इकाई आकलन

छात्र किताब खोलकर यह कार्य करें।

1. निम्न लिखित घटनाओं को क्रमबद्ध करके लिखें।

(अ) किसान ने विश्वनाथ से मिलने को कहा।

(आ) विश्वनाथ ने शरीर के अंग बेचने को कहा।

(इ) विक्रम जल्दी धन कमाना चाहता था।

(ई) विक्रम की आँखें खुल गयीं।

(उ) रास्ते में एक किसान से मिला।

(ऊ) मित्रों से उपाय पूछा।

2. वक्ता को जोड़कर वार्तालाप की पूर्ति करें।

किसान　　विक्रम　　विश्वनाथ

- जल्दी धन कमाने का उपाय क्या है?
- गाँव के उस पार एक सज्जन रहते हैं। वे तरीका बता सकते हैं।
- मैं बहुत गरीब हूँ। आप मुझे जल्दी धन कमाने का कोई उपाय बताएँ।
- तुम वसंतनगर जाओ। वहाँ एक आदमी बीस हज़ार रुपए में मनुष्य की आँखें खरीदता है।
- अपनी आँखें बेच दूँ, फिर मैं देखूँगा कैसे?
- ठीक है, तुम पंद्रह हज़ार में दोनों पैर बेच दो।
- पैर बेच दूँ तो चलूँगा कैसे?

- तो अपने दोनों हाथ बेच दो।
- हाथों के बिना मैं काम कैसे करूँगा?
- तो तुम अपना पूरा शरीर ही बेच दो।
- एक करोड़ रुपया मिलने पर भी मैं ऐसा नहीं करूँगा।
- अपने शरीर को इतना मूल्यवान समझते हो तो तुम गरीब कैसे हो? शरीर का सही उपयोग करो।

3. निम्न लिखित वाक्यों के आगे सही या गलत चिह्न लगाएँ।

	सही	**गलत**
(अ) कोशिश करनेवालों की हार होती है।	☐	☐
(आ) चींटी चढ़कर गिरती है, गिरकर चढ़ती है।	☐	☐
(इ) साहस के लिए मन में विश्वास होना चाहिए।	☐	☐
(ई) मेहनत बेकार होती है।	☐	☐
(उ) असफलता एक चुनौती नहीं है।	☐	☐
(ऊ) हमें अपनी कमियों को सुधार करना चाहिए।	☐	☐
(ऋ) हमें संघर्षों का सामना नहीं करना चाहिए।	☐	☐
(ए) कुछ किए बिना ही जय-जयकार नहीं होती ।	☐	☐

4. 'कि' जोड़कर वाक्यों को मिलाइए।

(अ) ♦ अध्यापक ने कहा ।

♦ सितंबर 14 हिंदी दिवस है।

(आ) ♦ पिताजी ने कहा।

♦ अच्छी तरह पढ़ना चाहिए।